सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

SURYA FOUNDATION

मासिक ई पत्रिका अंक 21 | फरवरी 2022

चयनित आदर्श गाँव

देश के विकास का रास्ता गाँव के विकास से ही संभव है।

पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

आदर्श गाँव का मॉडल : हिबरे बाजार (महाराष्ट्र)

दशकों पहले हिबरे बाजार भी दूसरे गाँवों की तरह खुशहाल था। 1970 के दशक में ये गाँव अपने हिंदकेसरी पहलवानों के लिए प्रसिद्ध था। मगर हालात बिगड़े और बिगड़ते चले गए। सरंपच पोपट राव बताते हैं कि हिबरे बाजार 80-90 के दशक में भयंकर सूखे से जूझ रहा था। पीने के लिए पानी नहीं बचा था। कुछ लोग अपने परिवारों के साथ पलायन कर गए। गाँव में महज 93 कुँए ही थे। जलस्तर 82-110 फीट पर पहुँच गया। लेकिन फिर लोगों ने खुद को बचाने की कवायद शुरू की।

साल 1990 में **ज्वाइंट फॉरेस्ट मैनेजमेंट कमेटी** बनाई गई। इसके तहत गाँव में कुँए खोदने और पेड़ लगाने का काम श्रमदान के जरिए शुरू किया गया। इस काम में महाराष्ट्र एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत फंड मिला, जिससे काफी मदद मिली। साल 1994-95 में आदर्श ग्राम योजना आई, जिसने इस काम को और रफ्तार दे दी। फिर कमेटी ने गाँव में उन फसलों को बैन कर दिया, जिनमें ज्यादा पानी की जरूरत थी। गाँव में अब 340 कुँए हैं। ट्यूबवेल खत्म हो गए हैं और जलस्तर 30-35 फीट पर आ गया है।

गाँव में हालात ऐसे हो गए थे कि लोग परिवार सहित घर छोड़ने को मजबूर थे। धीरे-धीरे 40 परिवार काम की तलाश में गाँव छोड़ गए। लेकिन, वक्त फिर से बदला। जो 40 परिवार गाँव छोड़ गए थे, वह लौट आए हैं।

गाँव में हुए बदलाव

हिबरे बाजार गाँव के लोगों के लिए 7 सूत्र हैं। यहाँ के सूत्र और पंचायत के लिए रूपरेखा गाँव के लोग मिलकर तैयार करते हैं।

- **रोड से पेड़ नहीं काटना।**
- **परिवार नियोजन।**
- **नशाबंदी।**
- **सामूहिक श्रमदान।**
- **लोटा बंदी।**
- **हर घर में टॉयलेट।**
- **ग्राउंड वाटर मैनेजमेंट।**

गाँव को बचाने के लिए यशवंत एग्रीवाटर शेड डेवलपर्स के साथ मिलकर कुँए बनाने और पेड़ लगाने के लिए पांच साल का प्लान बनाया गया। लेकिन गाँव वालों का जुनून कुछ ऐसा हो गया कि पांच साल का प्लान 2 साल में ही खत्म हो गया।

पोपट राव ने बताया कि 2015 में उन्होंने एक मुहिम चलाई थी, जिले के हर गाँव में 5 गाँव गोद लेकर काम शुरू किया गया। आसपास के गाँवों को पानी की समस्या से निजात दिलाई है। हमें इस काम में राज्य सरकार भी मदद कर रही है। हर गाँव के लोग खुद ही श्रमदान के लिए आगे आ रहे हैं। काम के लिए किसी को पैसे खर्च नहीं करने पड़ते।

नगलावर (मथुरा) उत्तर प्रदेश

हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव नगलावर में पिछले 20 वर्षों से आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत समग्र ग्राम विकास के पांच आयामों को लेकर कार्य किया जा रहा है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता और स्वावलंबन है। गाँव में फाउण्डेशन द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगलावर में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा महिला स्वरोजगार और स्वावलंबन के लिए हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। चार दिवसीय इस प्रशिक्षण में गाँव की 20 बहनों ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन 24 फरवरी, 2022 को किया गया, जिसमें आदर्श गाँव योजना प्रमुख श्री प्रमोद आसरे जी और जोनल इंचार्ज श्री कामेश्वर जी उपस्थित रहे। प्रशिक्षिका श्रीमती गायत्री सोनी जी ने उपस्थित 20 बहनों को श्रृंगार के लिए ज्वैलरी बनाना सिखाया, जिसे वे कम लागत में अपने घर पर ही तैयार कर सकें और इसको सीखकर अपना स्वयं का रोजगार शुरू किया जा सके। इस प्रशिक्षण में चूड़ी, कंगन, लटकन, अंगूठी आदि कई चीजें बनानी सिखाई गईं।

सभी बहनों ने बड़े उत्साह से इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर बहनों ने अपने द्वारा बनाई गई सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश द्विवेदी जी, ग्राम प्रधान श्री अशोक जी, सूर्या फाउण्डेशन से चयनित आदर्श गाँव प्रमुख श्री विकास जी मौजूद रहे। नगलावर गाँव में महिला स्वावलंबन के लिए 4 स्वयं सहायता समूहों का गठन भी किया गया है। इन स्वयं सहायता समूहों से 48 महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। इन महिलाओं को धूपबत्ती, फिनाइल, दीपक, साबुन, सिलाई आदि के प्रशिक्षण दिए गए हैं। इस माह हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

अन्य कार्य

- वरिष्ठजन सम्मान कार्यक्रम में 54 बुजुर्गों का सम्मान किया गया।
- रोगमुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के आयोजन में 120 लोगों ने हिस्सा लिया।
- ग्राम विकास समिति की बैठक की गई, जिसमें मुख्य अतिथि श्री प्रमोद जी एंव श्री कामेश्वर जी उपस्थित रहे।
- यूथ क्लब पर कबड्डी प्रतियोगिता की गई। जिसमें 26 भैयाओं ने भाग लिया।

नांदियाकल्ला (जोधपुर) राजस्थान

पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत आदर्श गाँव नांदियाकल्ला में पशुपालकों के लिए प्रत्येक तीन माह में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत फरवरी माह में गाँव के पशुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए 86 पशुओं का टीकाकरण और उनकी स्वास्थ्य जांच की गयी।

शिविर में बांझपन, कृत्रिम गर्भाधान, गला घोंटू, थनैला, अफरा आदि बीमारियों का टीका लगाया गया। साथ ही इन बीमारियों के बचाव के लिए सावधानी भी बताई गई। राजकीय पशु चिकित्सा केन्द्र से आए हुए डॉक्टर श्री संदीप ढाका जी ने पशुपालकों के लिए विभाग द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री पशुपालन क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी दी और पशुओं को टैग लगाकर उनके आधार कार्ड भी बनवाए, इसके लिए कोई भी शुल्क नहीं लिया गया।

पशु चिकित्सा शिविर के माध्यम से लोगों में पशुओं के प्रति जागरुकता आ रही है, जिससे गाँव में किसान पशु प्रेमी बन रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा पशुपालन कर रहे हैं। इस शिविर से समाज के सहयोग से चल रही श्री गोपाल गोसांई गौशाला की गायों को टीका लगाकर लाभान्वित किया गया।

अन्य कार्य

- 3 नये स्वयं सहायता समूहों (रमा, दुर्गावती व सत्यभामा) का गठन किया गया।
- मुख्य सड़क के किनारे लगे 75 पीपल और वट वृक्षों की सुरक्षा हेतु ईंट से घेराव किया गया।
- केन्द्र पर बसंत पंचमी का कार्यक्रम किया गया, संस्कार केन्द्र के बच्चों सहित 60 ग्रामीणों ने सरस्वती पूजन में भाग लिया।
- रोगमुक्त भारत अभियान कार्यक्रम किया गया, जिसमें आसपास के तीन गाँवों से 180 लोगों ने भाग लिया।

facebook

मूण्डला (सीहोर)
मध्य प्रदेश

शिविर लगाकर ग्रामीणों को दिलाया सरकारी योजनाओं का लाभ

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में सीहोर जिले के गाँव मूण्डला में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए शिविर लगाया गया। इस शिविर में सरकारी योजनाओं के बारे में गाँव के लोगों को बताया गया। गाँव में 68 महिलाओं और पुरुषों के ई-श्रम कार्ड बनाए गए। इन कार्ड धारकों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। इस पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को दुर्घटना बीमा की भी सुविधा रहेगी। दुर्घटना में आंशिक विकलंगता पर 1 लाख रुपए और स्थाई विकलांगता पर 2 लाख रुपए तक का बीमा कवर भी मिलेगा।

सरकार की कई योजनाओं की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवारों तक नहीं पहुँच पाती, इसी विषय को ध्यान में रखते हुए आदर्श गाँव मूण्डला में इस प्रकार के शिविरों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है, जिसका लाभ सीधा ग्रामीणों को मिलता है।

अन्य कार्य

- गाँव में 18 फरवरी, 2022 को रोगमुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इसमें गाँव के 167 लोगों ने भाग लिया।
- गाँव की बहनों द्वारा हस्तशिल्प उत्पादों तथा ज्वैलरी की प्रदर्शनी गाँव में लगाई गई। इससे रोजगार के लिए प्रेरणा मिलेगी।
- महिला स्वयं सहायता समूह की 96 महिलाओं का सामूहिक सहभोज कार्यक्रम किया गया।

आदर्श गाँव की परिकल्पना उसी गाँव के निवासियों के प्रयास से ही संभव है।

facebook

नयागाँव (झज्जर) हरियाणा

समाजिक समरसता के लिए हवन-पूजन कार्यक्रम

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव नयागाँव में हवन-पूजन कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। ग्रामीणों में जात-पात का भेद मिटाकर समरसता का भाव उत्पन्न हो, यह लक्ष्य सोचकर मासिक कार्यक्रम तय किया गया, जिसमें बच्चे, स्वयं सहायता समूह की माताएँ-बहनें, सेवाभावियों द्वारा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए प्रत्येक माह की जिम्मेदारी अलग-अलग परिवारों को दी गयी। हवन अथवा यज्ञ हिंदू धर्म में शुद्धिकरण का एक अनुष्ठान है।

हवन कुंड में अग्नि के माध्यम से ईश्वर की उपासना करने की प्रक्रिया को यज्ञ कहते हैं। ऐसा मानना है कि भगवान को भोजन अग्नि में दी गई आहुतियों से प्राप्त होता है। मंदिर में हवन पूजन का कार्यक्रम पूरे विधि-विधान से किया गया, हवन कुंड में पड़ने वाली सभी चीजों का अपना-अपना महत्व होता है। जैसे जब आम की लकड़ी जलती है तो फार्मिक एल्डिहाइड गैस उत्पन्न होती है, जो खतरनाक बैक्टीरिया और जीवाणुओं को मारती है तथा वातावरण को शुद्ध करती है। गुड़ को जलाने पर भी ये गैस उत्पन्न होती है। आम की लकड़ी को इसी कारण मुख्यत: हवन में उपयोग किया जाता है।

आधे घंटे हवन में बैठने पर अथवा हवन के धुएं से शरीर का सम्पर्क होने पर टाइफाइड जैसे खतरनाक रोग फैलाने वाले जीवाणु भी मर जाते हैं और शरीर एवं वातावरण दोनों शुद्ध हो जाते हैं। प्रथम हवन पूजन कार्यक्रम में 30 लोगों की सहभागिता रही। साथ ही प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को मंदिर पर हवन-पूजन करने का संकल्प लिया गया।

अन्य कार्य

- **रोगमुक्त भारत अभियान कार्यक्रम में गाँव के 130 लागों ने हिस्सा लिया।**
- **संस्कार केन्द्र पर बच्चों द्वारा एकल गीत प्रतियोगिता कराई गयी, जिसमें 25 बच्चों ने हिस्सा लिया।**

facebook

कादीपुर (वाराणसी) उत्तर प्रदेश

खेल मैदान में श्री हनुमान जी की स्थापना हुई

काशी विश्वनाथ की नगरी एवं माँ गंगा की गोद में बसे बनारस में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव कादीपुर व आसपास के 20 गाँवों में सूर्या फाउडेशन द्वारा सेवा के प्रकल्प चलते हैं। कादीपुर गाँव में सन् 2013 से यूथ क्लब के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ बनाने की दृष्टि से खेलकूद केन्द्र नियमित रूप से संचालित किया जाता है।

प्रवास पर आए बजरंग दल के कार्यकर्ता श्री अनिल यादव जी का केन्द्र पर रहना हुआ। फाउण्डेशन की गतिविधियों को देखकर बहुत ही खुश हुए उन्होंने खेल मैदान में एक हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करने का सुझाव दिया। इस सुझाव से प्रभावित होकर गाँव के युवाओं ने खेल के मैदान में हनुमान जी की मूर्ति स्थापना के कार्य की योजना बनाकर चल रही कबड्डी प्रतियोगिता के समय ही पूर्ण किया। जहाँ अब प्रतिदिन सुबह-शाम युवा एवं गाँव के अन्य लोग योग, व्यायाम करने आते हैं तथा बजरंग बली की स्तुति भी करते हैं। मूर्ति स्थापना के शुभ अवसर पर गाँव के अनेक सेवाभावीगण उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- ज्योति स्वयं सहायता समूह को एक लाख का लोन प्राप्त हुआ।
- संत रविदास जी की जयंती मनायी गयी जिसमे 35 ग्रामीण उपस्थित रहे।
- रोगमुक्त भारत अभियान कार्यक्रम में 185 लोगों की सहभागिता रही।

सिलाई केन्द्र बना रोजगार का माध्यम

दुर्गा स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती माधुरी जी ने एक नया उदाहरण पेश किया। उनके पति का स्वास्थ्य खराब होने से, परिवार की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ा। फाउण्डेशन तथा समूह के अन्य सदस्यों के सहयोग से माधुरी जी ने स्वरोजगार की कमान संभाली और शहर के एक बड़े रेडीमेड कपड़ा व्यवसायी से सम्पर्क कर घर पर नाइटी बनाने कार्य शुरू किया। कपड़े से लेकर धागा तक का सारा सहयोग व्यवसायी द्वारा ही दिया गया। एक नाइटी बनाने में 10 रुपये मिलता है। वह दिन में 25-30 नाइटी बनाकर प्रतिदिन 250-300 रुपये की आमदनी कर लेती हैं।

facebook

फफूँडा (मेरठ) उत्तर प्रदेश

केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान से दिलाया किसानों को लाभ

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना की परिकल्पना को साकार करते हुए मेरठ क्षेत्र के फफूँडा गाँव में सतत् सेवा व सहयोग की भावना के साथ प्रत्येक ग्रामीण तक लाभ पहुँचा रहा है। पिछले 20 वर्षों से भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बना हुआ है। भारत में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएँ हैं, क्योंकि यह बड़े स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था में भागीदारी करता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो बहुत से अशिक्षित लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इसने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी के उन्मूलन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, क्योंकि सूखे के दौरान प्रभावित परिवारों की आय का मुख्य स्रोत दुग्ध उत्पादन ही रहता है।

पशुपालन के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए सूर्या फाउण्डेशन लगातार प्रयास करता रहता है कि राज्य और केन्द्र स्तर पर चलाई जा रही सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुँचे जिससे किसानों की आजीविका सुनिश्चित हो एवं उनकी आय दुगुनी, हो इसी विचार को ध्यान में रखकर **केंद्रीय गोवंश अनुसंधान केन्द्र के सहयोग से आदर्श गाँव फफूँडा में अनुसूचित जाति के 86 पशुपालकों एवं किसानों को गोबर गाड़ी, 50 किग्रा. का एक-एक पैकेट जैविक खाद, गुड़ाई हेतु 11 हस्तचलित हल वितरित किए गए।**

छोटे किसानों व पशुपालकों के पास खेती में काम आने वाले संसाधनों की पूर्ति होने ये किसान अपने पशुओं की उत्पादकता बढ़ाकर, खेती में उन्नत यंत्रों का इस्तेमाल कर अपनी पैदावार बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव के पशुपालकों, किसानों को समय समय पर सरकार की योजनाओं से सीधा लाभ दिलाया जाता है।

अन्य कार्य

- **कृष्णा महिला स्वयं सहायता समूह को बैंक से एक लाख रुपये का ऋण दिलाया गया।**
- **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर संस्कार केन्द्र पर साइंस की क्विज प्रतियोगिता कराई गई। 23 बच्चों ने भाग लिया।**
- **पोषण वाटिका हेतु 50 परिवारों का चयन किया गया।**
- **50 ई-श्रम कार्ड बनवाए गए।**

पेण्ड्री (राजनांदगांव) छत्तीसगढ़

समरसता के लिए नये कीर्तिमान गढ़ता छत्तीसगढ़ का आदर्श गाँव पेण्ड्री

आदर्श गाँव पेण्ड्री सुकुलदेहान राजनांदगाँव में मड़ई मेला के अवसर पर वार्षिक उत्सव मनाया गया। इस मेले की शुरुआत वर्ष 2018 में सूर्या फाउण्डेशन की पहल पर गाँव मे समरसता लाने के लिए की गई थी। जिसमें सभी ने जाति का भेद मिटाकर बढ़-चढ़ कर सहभागिता की थी। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति, गाँव की अन्य परंपराओं एवं धरोहर की प्रदर्शनी सहित वार्षिक मेले में बच्चों के लिए झूले एवं गृहस्थी के सामान सहित अन्य घरेलू सामग्री की विभिन्न प्रकार की दुकानें एवं मिठाइयों का लाभ ग्रामवासियों को मिला।

यह मेला हमारे गाँव की परंपरा, संस्कारों और धरोहरों पर गर्व करने वाला है। यह त्यौहार न केवल मजेदार और मनमोहक रहा है, बल्कि राज्य की समृद्ध परंपरा और संस्कृति को भी दर्शाता है। इस त्योहार पर लोग अपने घरों से बाहर एक बड़े खुले मैदान में एकत्रित हुए। देव स्थान पर आस-पास के देवताओं का प्रतीक लाया गया। है। इस अवसर का लाभ उठाते हुए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा हस्तशिल्प का प्रशिक्षण प्राप्त कर बहनों द्वारा बनाए गए सामानों की दुकान लगाई गई। जिसको मेले में आये लोंगो ने खरीदा। जिससे उन्हें लगभग 8000 रुपए का लाभ मिला।

facebook

अन्य कार्य

- बसंत पंचमी में 20 माताओं-बहनों द्वारा माँ सरस्वती का पूजन किया गया।
- युवा प्रतिभा प्रोत्साहन संघटन द्वारा प्रतिभावान 15 युवाओं का सम्मान श्री दलेश्वर साहू जी (राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण राज्यमंत्री) ने किया।
- प्रवास के दौरान जिला प्रचारक श्री पुष्पेन्द्र जी को गाँव का भ्रमण कराया गया।
- रोगमुक्त भारत अभियान कार्यक्रम में मिट्टी लेप, जलनेति, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम का प्रयोग कराया गया। साथ ही शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच हुई। 165 लोग उपस्थित रहे।

लोनाँव (गोरखपुर) उत्तर प्रदेश

रोग मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम

अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा 27 फरवरी, 2022 को गोरखपुर जिले के आदर्श गाँव लोनाँव के प्राथमिक विद्यालय में रोगमुक्त भारत अभियान कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा बीमारियों को ठीक करने के उपाय बताये गये, जिससे ग्रामवासी स्वस्थ रह सकें और अपनी बीमारी का ईलाज कम से कम खर्च में कर सकें। इस कार्यक्रम में आसपास गाँव के 175 लोगों ने भाग लिया।

उपस्थित सभी लोगों को डॉ. दिग्विजय सिंह (INO) जी द्वारा मिट्टी लेप, कुंजल गरारे, एनिमा, तेल मालिश, मिट्टी में गड़ना आदि क्रियाओं की प्रयोग विधि एवं इनसे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि हमारा चिकित्सालय हमारी रसोई घर हैं, जिसमें बहुत सारी उपचार की सामग्री हमेशा मौजूद रहती है। इस कार्यक्रम में ग्राम समिति की अहम् भूमिका रही।

अन्य कार्य

- 15 युवाओं द्वारा गाँव की दुर्गा माता मंदिर की साफ-सफाई की गयी।
- 20 लोगों का ई-श्रम कार्ड बनाया गया।
- सेवाभावियों एवं युवाओं के सहयोग से गाँव की नालियों एवं कुओं में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया।

मिट्टी पानी धूप हवा।
सब रोगों की यही दवा।

facebook

सलोई (विदिशा) मध्य प्रदेश

सुगम आवागमन के लिए सड़क का निर्माण

गाँव सलोई में सूर्या फाउण्डेशन और गाँव के सेवाभावियों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता आई है। स्वच्छता जागरुकता के लिए समय-समय पर सूर्या संस्कार केन्द्र के बच्चों के माध्यम से स्वच्छता रैली का आयोजन होता रहता है। गाँव में स्वच्छता के लिए डस्टबिन लगाना हो, गाँव में स्वच्छता के कोटेशन लिखवाना आदि सभी कार्यों में ग्रामवासियों की सहभागिता रहती है। साथ ही सूर्या फाउण्डेशन की ग्राम विकास समिति द्वारा बैठक के माध्यम से गाँव को एक स्वच्छ गाँव बनाने का संकल्प लिया गया है।

गाँव की एक गली में सुगम आवागमन की व्यवस्था नहीं थी, नलकूपों और बरसात का पानी भर जाता था, जिससे उस रास्ते में गंदगी रहती थी। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए गाँव के सेवाभावियों ने पंचायत के सामने खड़ंजा बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसके परिणाम स्वरूप गाँव में उस गली का निर्माण कराया गया। अब गाँव का वह रास्ता स्वच्छ दिखता है और लोगों को आवगमन की सुविधा हुई है।

अन्य कार्य

- गाँव के पांच किसानों को सरकारी सब्सिडी पर मूंग के बीज उपलब्ध कराये गये।
- गाँव में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया।
- गाँव के पांच किसानों ने गाँव में बन रही जैविक खाद का उपयोग शुरू किया है।

प्रसन्नता के लिए कुछ बातें

- मुस्कुराइये-मौके पर खुलकर हंसिये, हंसी अनमोल है जो दिल की गांठे खोल देती है।
- ध्यान, योग, व्यायाम रोज करिए और स्वस्थ रहिए।
- हमेशा कुछ नया सीखिए और नये रास्ते खोजिए।
- समय बचाइए और लोगों से मीठे संबंध बनाइए।
- अपने आस-पास के माहौल को सकारात्मक बनाइये।
- समय का उपयोग सही हो, इसका ध्यान रखिए।
- हमेशा अच्छे लोगों को अपने साथ रखिए।
- परिवार को समय दीजिए, नये दोस्त बनाइये।
- तनाव से दूर रहिए - समाधान ढूंढ़िये।
- हर क्षण का आनन्द लीजिए।
- भरपूर नींद लीजिए।
- अधिक से अधिक लोगों की प्रशंसा करिये।

facebook

समाचार पत्रों में झलकियाँ...

सूर्या फाउंडेशन द्वारा रोग मुक्त भारत कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सिद्धार्थ राव,बहादुरगढ़। राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान एवं आयुष मंत्रालय के सहयोग से इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन एवं सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित रोग मुक्त भारत कार्यक्रम रविवार को नयागांव में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में डॉक्टर अजीत जी, लवलेश जी, डॉ अनीता जी, गुरमीत जी, सूर्या रोशनी बहादुरगढ़ से एचआर हेड हीरा, सूर्या फाउंडेशन से भंवर सिंह , विनोद, संदीप, जतिन ,अवनीश ,राहुल नयागांव से वरिष्ठ सेवाभावी बलवीर जी इत्यादि लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में डॉ अजीत ने बताया कि हम अपने आप को कैसे स्वस्थ रख सकते हैं रोग मुक्त भारत के कार्यक्रम में स्वस्थ रहने के लिए कई मंत्र दिए जैसे हम उपवास रहकर भी अपने शरीर को स्वस्थ और निरोगी बना सकते

हैं। योग व्यायाम करके हम अपने शरीर को मजबूत बना सकते हैं। कच्चा हार खा कर के हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं साथ ही संतुलित आहार भोजन कब और कितनी मात्रा में करना चाहिए। अपने जीवन में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए मनुष्य को दिनचर्या और खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। साथी आज के समय में होने वाली अनेकों बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए योग व्यायाम बहुत ही आवश्यक है साथ ही हमें सप्ताह में 1 दिन फल पर वह 1 दिन महीने में पानी पर रहना चाहिए।

जिससे हमारा शरीर स्वस्थ और निरोगी रहे हम अपने शरीर को बिना दवाइयों के भी स्वस्थ रख सकते हैं। हम जितने प्राकृतिक के नजदीक रहेंगे बीमारियों से इतनी दूर रहेंगे हमें ज्यादा से ज्यादा कच्चा हार अंकुरित का सेवन करना चाहिए जिससे हम लंबे समय तक निरोगी रह सके वह हमारा शरीर स्वस्थ रहे।

75 वां आजादी का अमृत महोत्सव हुआ आयोजित

वेलकम इंडिया

मथुरा/फरह। ब्रज क्षेत्र व ब्लॉक फरह के नगला वर गांव में एक सेमिनार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ कैलाश तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा तथा समाजसेवी राम पाठक, ग्राम प्रधान नारायण की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के उद्देश्य को बताते हुए पुरुषोत्तम राणा द्वारा जानकारी दी गई कि हम प्राकृतिक जीवन को कैसे अपनाएं तथा अपने जीवन को प्राकृतिक जीवन कैसे बनाएं हमारा खान-पान हमारा रहन-सहन कैसा उत्तम हो तथा विभाग के माध्यम से हम अपने जीवन को बिना दवा के कैसा

निरोग रख सकते हैं। इस दिशा में सूर्या फाउंडेशन प्राकृतिक चिकित्सा का अध्यान लेकर गांव-गांव में इन सेमिनार के माध्यम से गांव के लोगों को जन जागरूकता का अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ कैलाश द्वारा गांव के लोगों को खानपान की जीवन शैली कैसे सुधार हो तथा दैनिक जीवन में एलोपैथिक दवाओं से बचकर हम अपने घर में ही बीमारियों का कैसे उपचार कर सकते हैं इस दिशा में प्राकृतिक जीवन कैसे अपनाएं इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेशनल इंस्टिट्यूट

■ रोग मुक्त भारत अभियान के तहत हुआ आयोजन

आप नेचुरोपैथी के माध्यम से देश के अंदर समाज को जागृत करना तथा अपना जीवन प्रकृति के साथ कैसे चले इस हेतु गांव गांव में इस अभियान के माध्यम से सूर्या फाउंडेशन जन जागरूकता अभियान के माध्यम से सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें गांव के अन्य समाजसेवी अनिल,केंद्र पाल ,राजकुमार, राम पाठक,रीना ,रवि ,दीपिका पाठक तथा अन्य सूर्या फाउंडेशन की टीम के लोग कार्यक्रम को सुचारू बनाए रखने में समाज मे गांव में अपनी भूमिका का आदान-प्रदान समय-समय पर करते आ रहे हैं।

विप्र प्रदेश अध्यक्ष की टीम ने की नांदिया कलां की विजिट

नवज्योति/सोयला।

नांदीया कला जल तथा पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में उन्मुख गांव नांदिया कला में राजस्थान विप्र फाउंडेशन की प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष डाक्टर शीला दाधीच के नेतृत्व में विप्र समाज की टीम ने विजिट की कर पौधरोपण किया। जसवन्त सिंह भाटी सरपंच नांदिया कला ने बताया कि आज के जल संरक्षण कार्यों के तहत बनाए गए तालाब तथा पुराने तालाबों का अवलोकन, अलग-अलग प्रकार की वाटिका का निरीक्षण, राधाकृष्ण आजीविका महिला ग्राम संगठन के साथ स्वावलंबन की चर्चा, महाराणा प्रताप यूथ क्लब के युवाओं के साथ बैठकर कार्य की प्रगति के बारे में जाना। साथ ही कार्य को और गति

मिले इस दिशा में उन्होंने उचित मार्गदर्शन किया।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर शीला ने शिक्षा के लिए बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, समाज में व्याप्त कुरीतियां दूर हो इसके बारे में भी सुझाव दिए। अपनी टीम के साथ वट वृक्ष लगाकर गांव की ख्याति वटवृक्ष की भांति फैले इसका आशीर्वाद भी दिया। साथ राजस्थान ही ब्राह्मण महासभा के जिला उपाध्यक्ष गौरी शंकर दाधीच सोयला, पूर्व सरपंच व जिला उपाध्यक्ष प्रकाश व्यास, डॉ शैलेंद्र कौशल, हरिशंकर शर्मा, सुनिता बगडीया सहित संगठन के साथी साथ रहे।